समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

बॉन्डी शूटआउट : साजिद अकरम से वर्षों पहले टूट चुके थे रिश्ते, हैदराबाद के अलग-थलग पड़े परिवार ने तोड़ी चुप्पी

Sanket Morankar Published on 16 Dec 2025

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के प्रसिद्ध **बॉन्डी बीच** इलाके में हुई भीषण गोलीबारी की घटना ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। इस भयावह शूटआउट में अब तक **16 लोगों की मौत** की पुष्टि हो चुकी है। इस घटना का मुख्य आरोपी **साजिद अकरम (50)** पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, जबकि उसका 24 वर्षीय बेटा **नवेद अकरम** गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। इस सनसनीखेज घटना के बाद भारत में साजिद अकरम के पारिवारिक संबंधों को लेकर कई सवाल उठने लगे थे। अब इस पर **हैदराबाद स्थित उसके परिजनों ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है**।

तेलंगाना पुलिस और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साजिद अकरम का अपने परिवार से **कई वर्षों से कोई संपर्क नहीं था**। परिवार का कहना है कि साजिद ने लगभग **25 साल पहले हैदराबाद छोड़ दिया था** और ऑस्ट्रेलिया जाकर बस गया था। वहां उसने एक **ईसाई महिला से विवाह** किया, जिसके बाद पारिवारिक मतभेद इतने बढ़ गए कि रिश्ते पूरी तरह समाप्त हो गए।

परिवार के एक सदस्य ने स्पष्ट रूप से कहा,
“हमारा उससे कोई लेना-देना नहीं रहा। उसने अपनी ज़िंदगी अलग रास्ते पर चुनी और हम उससे सहमत नहीं थे। इसी वजह से संबंध टूट गए।”

परिजनों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्हें साजिद अकरम की किसी भी तरह की **कट्टरपंथी सोच, हिंसक मानसिकता या संदिग्ध गतिविधियों** की कोई जानकारी नहीं थी।
तेलंगाना पुलिस ने भी अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि
“परिवार ने किसी भी प्रकार की उग्रवादी विचारधारा या संदिग्ध संपर्कों की जानकारी होने से इनकार किया है।”

पुलिस के अनुसार, साजिद अकरम के भारत छोड़ने से पहले उसके खिलाफ **कोई आपराधिक या नकारात्मक रिकॉर्ड दर्ज नहीं**

था।

तेलंगाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि साजिद अकरम के **कट्टरपंथी बनने के कारणों का भारत या तेलंगाना से कोई सीधा संबंध नहीं है**।
पुलिस के बयान में कहा गया,
"साजिद अकरम वर्ष 1998 में स्टूडेंट वीज़ा पर ऑस्ट्रेलिया गया था। इसके बाद उसने वहीं स्थायी निवास बना लिया। भारत में रहते समय उसके खिलाफ कोई आपत्तिजनक गतिविधि दर्ज नहीं थी।"

इस बीच, मामले में एक और अहम जानकारी सामने आई है। **फिलीपींस के ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन** ने पुष्टि की है कि साजिद अकरम और उसका बेटा नवेद अकरम **नवंबर 2025 मे फिलीपींस की यात्रा पर गए थे**।
इमिग्रेशन विभाग की प्रवक्ता डाना सैंडोवाल के अनुसार,
"साजिद अकरम, भारतीय नागरिक (ऑस्ट्रेलियाई निवासी) और नवेद अकरम, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, 1 नवंबर 2025 को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे थे।"

ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियां अब इस यात्रा के उद्देश्य की गहन जांच कर रही हैं। हालांकि, अब तक यह **साबित नहीं हो सका है कि दोनों का किसी आतंकी संगठन से सीधा संबंध था**।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिद अकरम कुछ साल पहले भारत आया था और उस दौरान **हैदराबाद मे संपत्ति को लेकर उसके भाई से विवाद हुआ था**। इसके बाद पारिवारिक संबंध और अधिक बिगड़ गए। जांच एजेंसियां अब इस पहलू को भी खंगाल रही हैं कि क्या यह विवाद उसके मानसिक असंतुलन या अलगाव की वजह बना।

हैदराबाद स्थित परिवार ने कहा कि वे इस पूरी घटना से **गहरे सदमे मे है**। उन्होंने साफ किया कि वे कानून एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करेंगे, लेकिन यह भी अपील की कि उन्हें आरोपी के कृत्यों के लिए जिम्मेदार न ठहराया जाए।

परिवार का कहना है,
"हम इस घटना से टूट चुके हैं। हमारा उससे वर्षों से कोई रिश्ता नहीं था। हम चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए।"

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस और खुफिया एजेंसियों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि

- इस हमले के पीछे की **वास्तविक मंशा** क्या थी
- क्या किसी अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका थी
- और पिता-पुत्र की **कट्टरता की प्रक्रिया** कैसे हुई

इन सवालों के जवाब आने वाले दिनों में इस मामले की दिशा तय करेंगे।

बॉन्डी बीच शूटआउट केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि यह **कट्टरपंथ, सामाजिक अलगाव और पारिवारिक टूटन** की गंभीर तस्वीर पेश करता है। साजिद अकरम से उसके परिवार द्वारा वर्षों पहले संबंध तोड़ने का दावा यह दर्शाता है कि वह लंबे समय से अकेला और मुख्यधारा से कटा हुआ था।

अब पूरी दुनिया की नजरें इस जांच पर टिकी हैं, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासद घटनाओं को रोका जा सके और निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.